सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-226**
16/05/2017

शिक्षा के क्षेत्र में बिहार को फिर से ऊँचाई पर ले जाना है :– मुख्यमंत्री

पटना, 16 मई 2017 :– आज राजभवन में आयोजित कुलपति–प्रतिकुलपति सम्मेलन को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि सबसे पहले मैं महामहिम राज्यपाल महोदय को बधाई देता हूँ कि उन्होंने कुलपति एवं प्रतिकुलपति की नियुक्ति नियमों के मुताबिक और यथाशीघ्र हो, इस प्रक्रिया को अपनाया, जिसके फलस्वरूप दो विश्वविद्यालयों को छोड़कर सभी जगह कुलपति–प्रतिकुलपतियों की नियुक्ति हो चुकी है। मैं सभी को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि हमारे लिये यह हर्ष की बात है। इससे पूर्व जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम बिहार आये थे, उस वक्त आयोजित कुलपतियों की बैठक में मैं शामिल हुआ था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का एकेडमिक कैलेण्डर होना चाहिये, उसका ठीक से अनुपालन होना चहिये ताकि यहॉ के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में नुकसान नहीं हो। उन्होंने कहा कि मुझे इस तरह की बैठक में शामिल होने पर काफी खुशी है। मैंने बैठक के ऐजेंडा को देखा है। बाहर से आये हुये विद्वतगण की बातें सुनेंगे। दिन भर यह बैठक चलने वाली है। प्रत्येक कुलपति अपना प्रेजेंटेशन देंगे कि विश्वविद्यालयों को आगे बढ़ाने के लिये उनकी क्या सोच है। उन्होंने कहा कि इस बैठक के अंत में जो सभी की राय आयेगी, उससे विश्वविद्यालयों के विकास के लिये सशक्त नीति बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मकसद है कि उच्च शिक्षा में बिहार के ग्रास एनरालमेंट रेशियो को बढ़ाना। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान की भूमि रही है। चाणक्य, आर्यभट्ट यहीं के थे। प्राचीन काल में बिहार में नालंदा, बिक्रमशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र थे। बिहार शिक्षा का बहुत बड़ा केन्द्र हुआ करता था। उन्होंने कहा कि आज देश के किसी कोने में चले जाइये, बिहार के छात्र बड़ी संख्या में मिलेंगे। हम संस्थाओं की कमी को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है। इस दिशा में पहले राज्य सरकार ने कानून बनाया था, फिर केन्द्र सरकार ने कानून बनाया। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के लिये जमीन उपलब्ध करा दी है। मैं चाहता हूँ कि नालंदा विश्वविद्यालय जल्द से जल्द अपने कैम्पस में काम करे। हमें शिक्षा के क्षेत्र में बिहार को फिर से उसी ऊँचाई पर ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहॉ 2005–06 में शिक्षा के लिये बिहार के बजट में 4261 करोड़ रूपये दिया गया था, वहीं 2016–17 में शिक्षा के लिये 21,897 करोड़ रूपये तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में शिक्षा के लिये 25 हजार करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है। राज्य सरकार ने 20 प्रतिशत से ज्यादा बजट का हिस्सा शिक्षा क्षेत्र के लिये निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि जहॉ तक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी का प्रश्न है, महामहिम के पहल पर विश्वविद्यालय सेवा अयोग का गठन करने का निर्णय हुआ है। जल्द ही नियमावली बनाकर इसका गठन कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि आपके पास शिक्षकों का जो बल उपलब्ध है, उसका सदुपयोग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम बिहार के ग्रास एनरॉलमेंट रेशियो को 30 प्रतिशत करना चाहते हैं, इसके लिये कई कदम उठाये गये हैं। पहले सरकार का ध्यान प्राथमिक शिक्षा पर केन्द्रित था। स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की संख्या जो पहले साढ़े बारह प्रतिशत थी, वह अब एक प्रतिशत से भी कम हो गयी है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में स्कूल भवनों का निर्माण कराया गया। सरकार हर ग्राम पंयायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि

बिहार का प्रजनन दर देश के प्रजनन दर से ज्यादा है। हमने देखा है कि अगर लड़की मैट्रिक पास हो तो प्रजनन दर दो प्रतिशत हो जाता है और अगर 12वीं पास हो तो 1.6 प्रतिशत हो जाता है। उन्होंने कहा कि अगर हर लड़की को 12वीं तक पढ़ा दें तो प्रजनन दर स्वतः ही नीचे चला जायेगा। लड़कियों के शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा पोशाक योजना, साईकिल योजना चलाई गयी, जिसके फलस्वरूप जहॉ वर्ग–9 में पढ़ रही लड़कियों की संख्या 2007 में 1 लाख 70 हजार थी, वह अब बढ़कर 9 लाख हो गयी है। यह संख्या आगे और बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा में सहयोग के लिये स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरूआत की गयी है। इच्छुक छात्र–छात्रायें गरीबी के कारण आगे नहीं पढ़ पाते थे, ऐसे सभी इच्छुक छात्र–छात्रायें जो 12वीं के आगे पढ़ना चाहते हैं, उन्हें 4 लाख रूपये तक का स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराया जायेगा। इस राशि पर सरकार द्वारा न सिर्फ मूल धन बल्कि सूद पर भी गारंटी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड का प्रावधान सबके लिये है। यह अपने ढंग की अनोखी योजना है। उन्होंने कहा कि आप सभी भी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में छात्र–छात्राओं को अधिक से अधिक जानकारी दें। उन्होंने कहा कि स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड के साथ–साथ अन्य तरह की छात्रवृति भी वैकल्पिक रूप में जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में सुविधा हो, इसके लिये विभिन्न संस्थानों का निर्माण कराया जा रहा है। सभी जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉच नये मेडिकल कॉलेज, सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज के साथ पॉलिटेक्निक, ए0एन0एम0–जी0एन0एम0 कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ–साथ सरकारी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिये मुफ्त वाई–फाई की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हम आपकी चिंता करते हैं, आप भी हमारी चिंता कीजिये। छात्रों को सही शिक्षा मिले, इस पर ध्यान दीजिये। उन्होंने कहा कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाय। पटना विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुये उन्होंने कहा कि पहले पटना विश्वविद्यालय का क्या रूतबा था। पहले पटना सईंस कॉलेज में दाखिला हो यह छात्रों की तमन्ना होती थी। हमें फिर से उसी ऊॅचाई को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में शिक्षा के साथ–साथ एक्स्ट्रा कैरिकुलर एक्टीविटीज भी होना चाहिये, नहीं तो छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आप पूरी लगन के साथ काम कीजिये, सरकार आपके के साथ है। बिहार के युवाओं में बहुत प्रतिभा एवं क्षमता है। देश में जिस प्रकार की भी परीक्षा हो बिहार के युवा सर्वाधिक संख्या में उत्तीर्ण होते हैं। उनकी इस क्षमता को अगर सही सहारा दिया जाय, उन्हें सही माहौल उपलब्ध कराया जाय तो न सिर्फ बिहार आगे बढ़ेगा बल्कि भारत के विकास में भी बिहार अपना पूरा योगदान देगा।

आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुये राज्यपाल श्री रामनाथ कोविन्द ने कहा कि हमें अपने अतीत को नहीं भूलना चाहिये। उसको स्थापित करने का पूरा प्रयास करना चाहिये। सम्मेलन को संबोधित करते हुये शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी ने कहा कि पूरी सरकार तत्पर है कि उच्च शिक्षा को राज्य में कैसे सुदृढ़ किया जाय। हमें बिहार के ग्रोथ एनरॉलमेंट रेशियो को बढ़ाना है। इस अवसर पर प्रो0 दीपक नैय्यर तथा प्रो0 पंजाब सिंह ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा प्रो0 दीपक नैय्यर तथा प्रो0 पंजाब सिंह को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह् भेंट किया गया। आयोजित समारोह में महामहिम राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ई0एल0एस0एन0 बाला प्रसाद, प्रधान सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार सहित विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं प्रतिकुलपति उपस्थित थे।

******